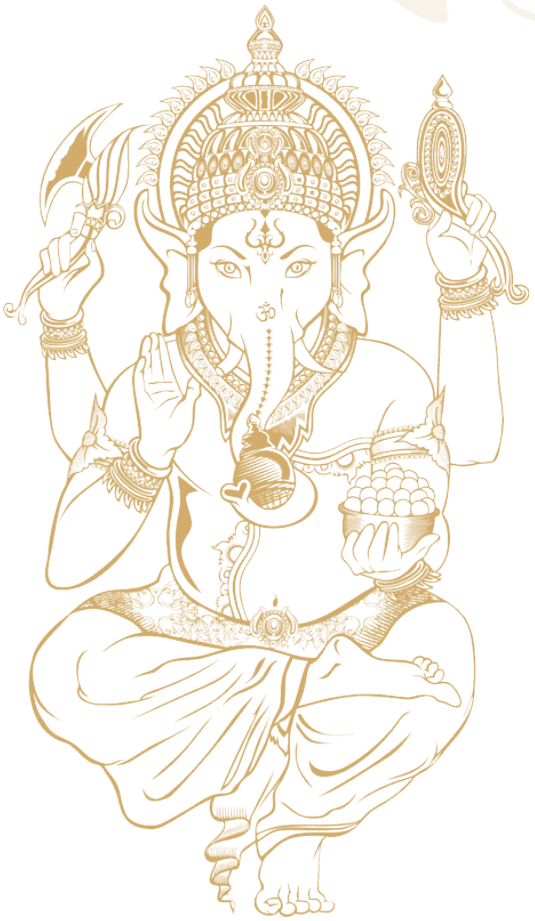

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121305202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/06/1981	जन्म तिथि	08/03/1983
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 06:00:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 02:25:11	जन्म समय(घटी)	04:46:57 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Bhilai
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	21:13:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	81:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:01:55	सूर्योदय	06:19:57
18:33:54	सूर्यास्त	18:10:48
23:35:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:37:03

विंशोत्तरी		**अंश**	**राशि**	**ग्रह**	**राशि**	**अंश**	**विंशोत्तरी**	
शुक्र 11वर्ष 2मा 19दि		07:15:15	मिथु	लग्न	मीन	24:47:53	**केतु 1वर्ष 6मा 25दि**	
राहु		24:30:03	वृष	सूर्य	कुंभ	23:19:50	**मंगल**	
29/08/2015		19:11:11	सिंह	चंद्र	धनु	10:20:44	**01/10/2020**	
28/08/2033		09:06:43	वृष	मंगल	मीन	14:54:01	**02/10/2027**	
राहु	11/05/2018	11:36:29	मिथु	बुध	कुंभ	07:54:06	मंगल	27/02/2021
गुरु	04/10/2020	07:04:36	कन्या	गुरु	वृश्चि	16:41:41	राहु	17/03/2022
शनि	10/08/2023	10:59:46	मिथु	शुक्र	मीन	22:36:31	गुरु	21/02/2023
बुध	27/02/2026	09:24:56	कन्या	शनि व	तुला	10:20:37	शनि	01/04/2024
केतु	17/03/2027	09:05:37	कर्क	राहु व	मिथु	07:32:42	बुध	29/03/2025
शुक्र	17/03/2030	09:05:37	मक	केतु व	धनु	07:32:42	केतु	25/08/2025
सूर्य	09/02/2031	03:40:01	वृश्चि व	हर्ष	वृश्चि	15:28:26	शुक्र	26/10/2026
चन्द्र	10/08/2032	00:02:31	धनु व	नेप	धनु	05:27:14	सूर्य	02/03/2027
मंगल	28/08/2033	28:04:54	कन्या व	प्लूटो व	तुला	05:34:09	चन्द्र	02/10/2027

लग्न-चलित

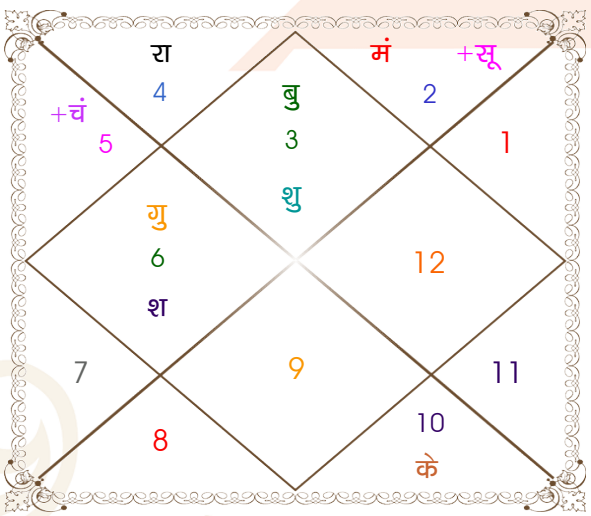

लग्न-चलित

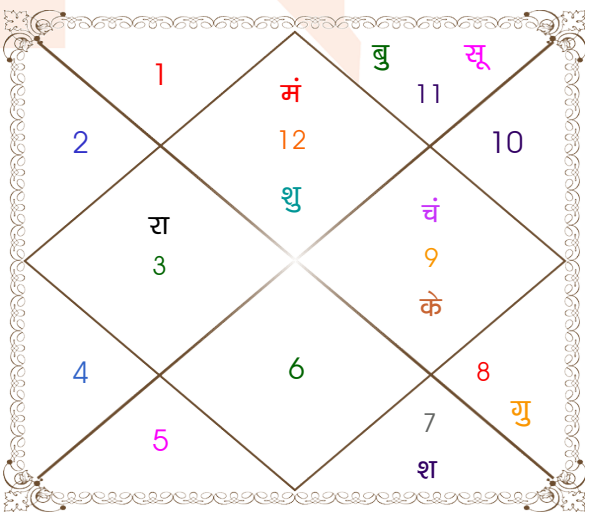

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

M का वर्ग श्वान है तथा F का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल M कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

F मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।